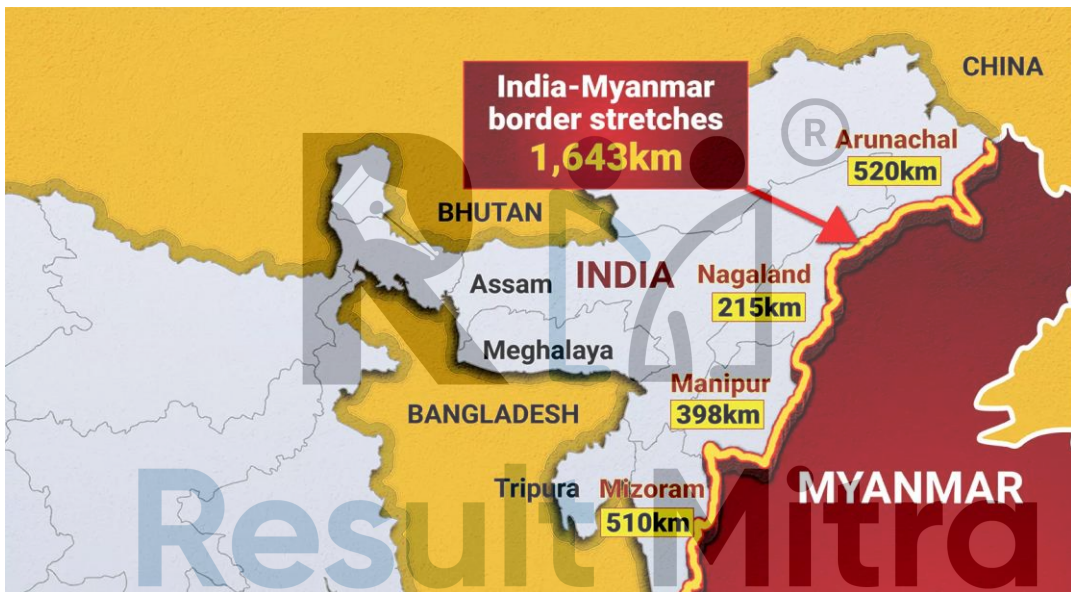


म्यांमार में उत्फा (आई) पर मिसाइल हमला

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में, भारतीय सशस्त्र बलों ने मई 2025 में म्यांमार में उत्फा (आई) के ठिकानों पर मिसाइल हमला किया। इस हमले में उत्फा (आई) के उच्च पदस्थ नेताओं को निशाना बनाया गया, जिससे दो शीर्ष कमांडर मारे गए। यह हमला सीमा पार आतंकवाद से निपटने और विद्रोही गतिविधियों को भारत में फैलने से रोकने के भारत के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।



उत्फा (यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम)

उद्देश्य और हिंसा

- उत्फा एक अलगाववादी उग्रवादी समूह है, जिसकी स्थापना 1979 में स्वतंत्र असम की स्थापना के उद्देश्य से हुई थी।
- यह समूह असमिया लोगों के लिए आत्मनिर्णय की मांग करता है और हिंसक गतिविधियों में शामिल रहता है।

गुटों में विभाजन

- उत्फा दो प्रमुख गुटों में विभाजित है:
 - उत्फा (आई): हिंसक गुट, जो स्वतंत्रता की मांग करता है।
 - उत्फा (पीसी): जो शांति वार्ता में संलग्न है।

सीमा पार अभियान और सरकारी कार्रवाई

- उल्फा (आई) म्यांमार और बांग्लादेश से संचालित होता है।
- भारत ने इसके ठिकानों पर सैन्य अभियान चलाए हैं, जिसमें मई 2023 में म्यांमार में मिसाइल हमला शामिल है।

निष्कर्ष

- उल्फा (आई) एक प्रमुख विद्रोही समूह बना हुआ है, जो पूर्वोत्तर भारत में सीमा पार आतंकवाद और विद्रोह की चुनौतियाँ पैदा करता है।

कलादान बहु-मॉडल पारगमन परिवहन परियोजना (केएमटीटीपी)

- कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (केएमटीटीपी) एक प्रमुख बुनियादी ढांचा पहल है जिसका उद्देश्य भारत और म्यांमार के बीच संपर्क में सुधार लाना है, साथ ही क्षेत्र में व्यापार और परिवहन को बढ़ावा देना है।



मुख्य उद्देश्य

- कलादान परियोजना का उद्देश्य भारत और म्यांमार के बीच संपर्क को सुधारना और क्षेत्रीय व्यापार एवं परिवहन को बढ़ावा देना है।

मुख्य घटक

- सड़क परिवहन: म्यांमार के सितवे बंदरगाह को भारत के मिज़ोरम के ज़ोकावथार से जोड़ना।
- नदी परिवहन: म्यांमार में कलादान नदी का उपयोग माल परिवहन के लिए।
- समुद्री परिवहन: सितवे बंदरगाह को भारतीय बंदरगाहों से जोड़ना, जिससे समुद्री व्यापार संभव हो सके।

कार्यान्वयन

- चरण 1: म्यांमार में सितवे बंदरगाह का निर्माण और ज़ोकावथार तक सड़क संपर्क का निर्माण।
- चरण 2: सड़क अवसंरचना और नदी नौवहन का सुधार ताकि माल परिवहन में आसानी हो।

रणनीतिक महत्व

- परियोजना भारत की दक्षिण-पूर्व एशिया तक पहुँच को बढ़ाती है और क्षेत्रीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देती है।
- यह भारत के पूर्वोत्तर और बंगाल की खाड़ी के बीच संपर्क को मजबूत करती है, जिससे आर्थिक विकास में मदद मिलती है।
- यह म्यांमार के साथ एक वैकल्पिक व्यापार मार्ग प्रदान करती है, जिससे वर्तमान परिवहन मार्गों पर निर्भरता कम होती है।

निष्कर्ष

- कलादान परियोजना भारत और म्यांमार के बीच व्यापार को बढ़ावा देने, क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ाने और पूर्वोत्तर राज्यों के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह भारत की एक्ट ईस्ट नीति के अनुरूप है, जो दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ संबंधों को मजबूत करती है।

